Hindi Murli Quiz 11-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **"मीठे बच्चे, तुम्हें अभी ---------- की बीमारी से बचना है, उल्टा खाता नहीं बनाना है, एक बाप की याद में रहना है ।"**
[एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. शरीर
B. नाम-रूप
C. विकारों
D. देहभान

Q.2) **इन लक्ष्मी- नारायण का -------में राज्य था ना। अभी तो वह --------भी नहीं है, तो नारायण भी नहीं है, देवतायें भी नहीं हैं। चित्र हैं जिससे समझते हैं यह होकर गये हैं।**
[एक सबसे सटीक उत्तर से दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. भारतवर्ष
B. सतयुग
C. नईदुनिया
D. स्वर्ग

Q.3) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----**

	Choice		Match
A	ब्राह्मण जीवन का स्वांस उमंग- उत्साह है ।	1	नींद भी कम करना अच्छा है। याद में बैठना जरूरी है।
B	कई बच्चों को बन्धन भी है, मोह भी रहता है,	2	तुम्हारी सब बीमारियाँ बाहर निकलेंगी। तुम बाप को याद करते रहो।
C	बाप कहते हैं तुम कर्मयोगी हो,धन्धा आदि तो करना ही है,	3	फिर उस समय स्मृति आयेगी कि यह हमने ग़फलत की।
D	देह- अभिमान में आकर लड़ना- झगड़ना जैसे क्रोध का भूत हो जाता है ।	4	इसलिए किसी भी परिस्थिति में उमंग- उत्साह का प्रेशर कम न हो।
E	तुमको साक्षात्कार होंगे,	5	बाबा क्रोध करने वाले की तरफ कभी देखते भी नहीं।

Q.4) **"बन्धनों का बीज है संबंध। जब बाप के साथ सर्व सम्बन्ध जोड़ लिए तो और किसी में मोह नहीं हो सकता और मोह नहीं तो बंधन नहीं। जब बीज को ही खत्म कर दिया तो बिना बीज के वृक्ष कैसे पैदा होगा। यदि अभी तक बंधन है तो मनमनाभव की विधि से मन के बन्धनों से भी मुक्त नष्टोमोहा स्मृति स्वरूप बनो, फिर यह शिकायतें समाप्त हो जायेंगी कि क्या करें बंधन है, कटता नहीं।"**

A. False
B. True

Q.5) **"गीता का भगवान शिवबाबा है, वही वर्सा देते हैं। मुक्ति- जीवनमुक्ति दाता वह है, अन्य धर्म वालों की बुद्धि में बैठता नहीं। वह तो हिसाब- किताब चुक्तू कर वापिस चले जायेंगे। पिछाड़ी में थोड़ा परिचय मिला फिर भी जायेंगे अपने धर्म में।"**

A. True
B. False

Q.6) **"सद्गति दाता, स्वर्ग की स्थापना करने वाला अथवा आदि सनातन देवी- देवता धर्म की फिर से स्थापना करने वाला शिव है या श्रीकृष्ण? मुख्य है ही 3 बातों का फैंसला। इस पर ही बाबा जोर देते हैं। तुम सिद्ध कर बतलाते हो भगवान एक होता है। भगवान ने इस राजयोग और ज्ञान द्वारा देवी- देवता धर्म की स्थापना की।"**

A. False
B. True

Q.7) **आज की मुरली अनुसार ही केवल सही वाक्यों का चयन करें --**

A. विचित्र बन विचित्र बाप को याद करना है। यह मेहनत है। विश्व का मालिक बनना, कोई मासी का घर नहीं है।
B. वहां बीमारी नाम- रूप की होती नहीं। वहाँ तो मोहजीत कुटुम्ब होता है। जानते हैं हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।
C. याद करने की ऐसी प्रैक्टिस हो जाए जो पिछाड़ी में सिवाए बाप के और कोई याद न पड़े, तब ही तुम राजाई पद पायेंगे।
D. तलवारें भी अनेक प्रकार की होती हैं ना। तुम्हारी भी योग की तलवार बड़ी तीखी चाहिए।
E. वह है ही आत्म- अभिमानी दुनिया। देही- अभिमानी होने से बहुत मीठे शीतल हो जायेंगे।
F. बाप धन देते हैं, दान करने के लिए। प्रदर्शनी- मेले में तुम बहुतों को दान कर सकते हो।

Q.8) **सभी सही वाक्यों का चयन करें ---**

A. गीता में कृष्ण का नाम डाल दिया है तो बाप को याद कैसे करें! यही बड़ी भूल है, जो तुमको समझानी है।
B. मनुष्य होकर और बाप को न जानें तो जानवर से भी बदतर हुआ।
C. अभी तो सिर पर पापों का बोझा बहुत है। वह याद से ही उतरेगा।
D. बहुत बुद्धू हैं जो याद में न रहने के कारण फिर नाम- रूप आदि में फँस पड़ते हैं।
E. बच्चों पर माया का वार होता रहता है, अभी तक कर्मातीत अवस्था को कोई ने पाया नहीं हैं।

Q.9) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice		Match
A	भाग्यवान बच्चे सबको सुख देने का पुरुषार्थ करते हैं।	1	मन्सा- वाचा- कर्मणा कोई को दुःख नहीं देते हैं।
B	तुम्हारी यह स्टूडेन्ट लाइफ है ।	2	गीता का भगवान कृष्ण नहीं, शिव है।
C	सभी बच्चे जानते हैं कि जिसकी महिमा गाई जाती है,	3	तो बंधनमुक्त हो नहीं सकते।
D	भक्ति मार्ग में भी जानते हैं कि हम आत्मा सूक्ष्म हैं,	4	परन्तु पूरा रहस्य बुद्धि में नहीं है कि आत्मा है क्या ।
E	तुम्हारी बुद्धि में तो यह बात पक्की है,	5	तुम्हें अब घुटके नहीं खाने हैं, अपार खुशी में रहना है।
F	देहधारियों से प्यार है,	6	वह कोई साकार नहीं है, निराकार की महिमा है।

Q.10) **"यह शरीर तो पुराना तमोप्रधान है। पिछाड़ी तक कुछ न कुछ होता रहेगा। जब तक बाप की याद में रह ----------अवस्था को पायें, तब तक माया हिलाती रहेगी, किसको भी छोड़ेगी नहीं। जांच करते रहना चाहिए कि माया कैसे धक्का खिलाती है।"**
[एक सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. अचल-अडोल
B. उपराम
C. कर्मातीत
D. सम्पूर्ण